

प्रेषक,

डा० हेमलता द्वौडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: ०९ जुलाई, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 के अन्तर्गत औद्योगिक विकास हेतु वित्तीय प्रोत्साहन
योजनान्तर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 267 / XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि औद्योगिक विकास हेतु वित्तीय प्रोत्साहन योजनान्तर्गत, वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु रुपये 25.00 लाख (रुपये पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- व्यय में नित्यव्ययता नितान्त आवश्यक है व यह व्यय किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुरितका उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 एवं अन्य तद्विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा। यह व्यय उन्हीं मदों पर किया जायेगा, जिस हेतु स्वीकृत किया जा रहा है। व्यय के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी शासनादेशों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरोक्त शासनादेश दिनांक 27 मार्च 2008 के प्रसार-7 के अनुसार चार किशतों में किया जायेगा। अगली किशत की धनराशि का व्यय तभी किया जायेगा जब पिछली किशत का व्यय विवरण प्रशासनिक विभाग/वित्त विभाग को उपलब्ध करा दी जायेगी।

4- उक्त योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2008-09 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर योजना की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति शासन को उपलब्ध करायी जायेगी। इसके अतिरिक्त वर्षान्त तक स्वीकृत की गयी धनराशि एवं उसके सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि के विपरीत यदि कोई धनराशि दिनांक 31.03.2009 तक अवशेष रहती है तो उस धनराशि को नियमानुसार शासन को समर्पित कर दिया जायेगा। सम्बन्धित जनपदों से सम्बन्धित धनराशि तत्काल जिला उद्योग केंद्रों को उपलब्ध करायी जायेगी। सम्बन्धित जनपद न्तरीय अधिकारियों का यह दायित्व होगा कि वे स्वीकृत धनराशि का समयान्तर्गत पूर्ण उपयोग करें।

5- वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र, योजनान्तर्गत लाभार्थियों का विवरण भी शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 मुख्य लेखाशीर्षक 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 102- लघु उद्योग, 15-औद्योगिक विकास हेतु वित्तीय प्रोत्साहन योजना-00-50-उपादान के नामे डाला जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 507/XXVII(2)/2008, दिनांक: 27 जून, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

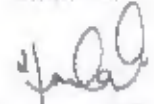
(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:1982(1)/VII-2/12-उद्योग/2006, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव नियोजन उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 7. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,


(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।